खबर संक्षेप

बरही में आज निकाली जाएगी शिव बारात

बरही। बाबा विजयनाथ की धार्मिक नगरी बरही में शिवरात्रि के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति बड़े धूम-धाम से अलौकिक प्रतिमा के साथ देवों के देव महादेव की झांकी के साथ बारात निकाली जाएगी। रामलाला मंदिर से बारात प्रारंभ होगी जो नगर भ्रमण करते हुए बाबा विजयनाथ धाम शिव मंदिर पहूंचेगी। शिव बारात मार्ग में जगह जगह स्वागत की तैयारियां की गई हैं। भोलेनाथ की बारात एवं धार्मिक आयोजनों में शामिल होने सभी धर्म प्रेमियों से अपील की गई है।

पुलिस पर पथराव मामले में 15 पर मामला दर्ज

स्लीमनाबाद। थाना स्लीमनाबाद अंतर्गत बंधी रेलवे गेट पर गुरुवार रात हाईवा की टक्कर से बाईक सवार 2 लोगों की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ द्वारा पुलिस वाहन पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त करने के मामले मै पुलिस ने करीब 15 अज्ञात व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया है। साथ ही वायरल वीडियो में जो व्यक्ति पथराव करते देखे जा रहे है उनको पुलिस द्वारा उनको पकडकर स्लीमनाबाद थाना ले आ गया है ओर उनसे पूछताछ कर इस पथराव घटना में शामिल अन्य लोगो के बारे में पूछताछ की गईं!इस मामले मै अभी तक पुलिस ने 8 से 10 लोगों का पकडकर स्लीमनाबाद थाना लें आई है। गौरतलब है कि उक्त घटना मै पायलट विजय पांडेय व सैनिक राजकुमार परौहा घायल हुए थे। स्लीमनाबाद पुलिस ने दीपक यादव पिता मुरारी लाल यादव 38 वर्ष निवासी स्लीमनाबाद की शिकायत पर 10 से 15 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 296 बी, 351(3), 121(1), 125ए, 132, 191(2), 191(3), 190, 324(4) के तहत अपराध क्रमांक 89/26 दर्ज किया गया। गौरतलब है कि गुरुवार की रात 8 बजे बंधी धरवारा रेलवे गेट हाइवा क्रमांक pb 10 hn 2438 बाइक सवार धरवारा निवासी राजा भैया कोल व राजेन्द्र कोल को टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गईं। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौक़े पर पहुंची पुलिस के 112 वाहन पर पथराव कर दिया था।

अस्थाई अतिक्रमण एवं बैनर, पोस्टर हटाये गये

कटनी। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से शनिवार को भी नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाकर नगर के मुख्य मार्गो एवं बाजार क्षेत्रों की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया जाकर नागरिकों को सुगम आवागमन की व्यवस्था प्रदान की गई। कार्रवाई के दौरान संबंधित दुकानदारों को सार्वजनिक मार्ग बिना बाधित किये निर्धारित स्थल से ही व्यवसाय करने की चेतावनी अतिक्रमण अमले द्वारा दी गई।

औद्योगिक, पर्यटन, माइनिंग, महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन सहित कई मायनों में अहम है कटनी

पत्राचार एवं हवा हवाई दावों के बीच बीत गये 14 साल, आज तक नहीं मिल पाई हवाई पट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में वर्षों पुरानी हवाई पट्टी की मांग अधर में लटकी हुई है। जिले में औद्योगिक विकास की संभावनाओं के मददेनजर हवाई पटटी के निर्माण का प्रस्ताव दशक भर से ज्यादा समय से फाइलों में सिमटकर रह गई है। औद्योगिक, माइनिंग, पर्यटन सहित कई मायनों में कटनी जिला खास अहमियत रखता है, बावजूद इसके उपेक्षित है। इसकी मुख्य वजह यह है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा गंभीरता के साथ ध्यान नहीं दिया जा रहा और अधिकारी भी सिर्फ पत्राचार तक सीमित हैं। मार्बल उद्योग, आयरनओर का बड़ा कारोबार, डोलोमाइट की पर्याप्त उपलब्धता, दुनिया में जाहिर कटनी का सेंड स्टोन, राइस मिलें, दाल मिलें, रेत की खदानें, परचून, सराफा और कपड़ा सहित सहित ड्रोन हब कटनी बनने जा रहा है, कई मायनों में कटनी जिला खास अहमियत रखता है। शहर व्यापारिक मिनी राजधानी है। आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में हवाई सुविधा कटनी के लिए बेहद जरूरी है, ताकि जिले में निवेश करने वाले लोग दिल्ली, मुंबई सहित बड़े महानगरों से आसानी से पहुंच सकें, देश-दुनिया के लोग शहर से जुड़ सकें, लेकिन कटनी में हवाई पट्टी बनाने के लिए घोषणा के 12 साल बाद भी अबतक इसमें कोई अमल नहीं हो पाया है।

गौरतलब है कि 2012 में खजुराहो इंटरनेशन ग्लोबल मीट का आयोजन हुआ था जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हवाई पट्टी बनाए जाने की बात कही थी। बजट में 2013 में एक लाख रुपये तत्कालीन विधायक गिरिराज किशोर पोद्दार ने स्वीकृत कराए, ताकि प्रोविजन होने से वह काम शासन की वर्किंग में आ जाए। एयर स्ट्रिप बनने से उद्योग, पर्यटन की दृष्टि से कटनी का विकास होगा। कुछ साल पहले मेक्सिको कंपनी आकर हवाई अड्डा बनाने के लिए सर्वेक्षण कर गई है, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री की घोषणा पर प्रशासनिक व जिम्मेदार विभाग ने गंभीरता से - ध्यान नहीं दिया है। वर्ष 2009 में तत्कालीन विधायक गिरिराज किशोर पोद्दार ने विधानसभा में प्रश्न लगाया और कहा कि कटनी जिले में हवाई पट्टी का निर्माण किया जाए। इस पर 6 अक्टूबर 2009 को कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को कलेक्टर की ओर से पत्र गया था कि अतिशीघ्र प्रक्कलन बनाकर दिया जाए। 11 जनवरी 2010 को कलेक्टर कार्यालय से सूचना आई कि विमानन विभाग को पत्राचार किया गया है। इसके बाद 19 फरवरी 2010 को सूचना दी गई कि 4 मार्च 2010 को सचिव विमानन विभाग को पत्र लिखा गया है। 17 जुलाई 2012 के जवाब में कहा गया सीएम ने बजट के आधार पर राज्य शासन द्वारा हवाई पट्टी निर्माण के लिए सैद्धांतिक निर्णय लिया गया।

कटनी देश का महत्वपूर्ण जंक्शन है। जंक्शन में होने के साथ ही देश के प्रमुख शहरों से रेल कनेक्टिविटी है। कटनी से मध्यप्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व बांधवगढ़, पन्ना, रीवा तक पहुंचने के लिए सुलभ मार्ग हैं। इन सुविधाओं को ध्यान में रखकर देशी और विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में कटनी पहुंचते हैं। मैहर धाम, शारदा धाम विगढ़, कोनिया धाम आदि पर्यटकों की सुविधा को भी ध्यान में रखकर हवाई पट्टी निर्माण आवश्यक है। किसी को इमरजेंसी में बेहतर इलाज की जरुरत पड़ जाए तो एयर एंबुलेंस से बड़े शहरों तक जल्दी पहुंचाना संभव नहीं है। जिलें में हवाई पट्टी निर्माण के बाद दूसरे शहरों तक पहुंचने में समय की बचत होगी।

बहनों के खातों में अंतरित की 35.04 करोड़ की राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खंडवा जिले के पंढाना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से लाड़ली बहना योजना के तहत कटनी जिले की 2 लाख 38 हजार 962 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 33वीं किस्त के तौर पर 35 करोड़ 4 लाख 65 हजार 900 रूपये की राशि का अंतरण किया।

जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यस्तरीय आयोजन के प्रसारण को लाड़ली बहनों ने देखा और सुना।इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास वनश्री कुर्वेती सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही।

लाड़ली बहना योजना की राशि का अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कटनी जिले की जनपद पंचायत बड़वारा की 39 हजार 317 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 78 लाख 84हजार 600 रूपये अंतरित किये गए। इसी तरह जनपद पंचायत बहोरीबंद की 40 हजार 94 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 88 लाख 12 हजार रूपये, जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की 37 हजार 165पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 45 लाख 13हजार 200 रूपये, जनपद पंचायत कटनी की 27 हजार 705 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड़ 4 लाख 50हजार 300 रूपये, जनपद पंचायत रीठी की 25 हजार 765पात्र महिलाओं के खाते में 3 करोड़ 78 लाख 75हजार 400 रूपये, जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की 34 हजार 809 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 12 लाख 5 हजार रूपये अंतरित किये।

नगर निगम कटनी की 28 हजार 69 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड़ 9 लाख 5 हजार 700 रूपये ,नगर परिषद बरही की 2 हजार 297 पात्र महिलाओं के खाते में 33 लाख 80हजार 400 रूपये, नगर परिषद कैमोर की 2 हजार 265 पात्र महिलाओं के खाते में 32 लाख 74 हजार 500 रूपये तथा नगर परिषद विजयराघवगढ़ की 1 हजार 476 पात्र महिलाओं के खाते में 21 लाख 64 हजार 800 रूपये अंतरित किये गए।

संयासी आश्रम में चल रहे सप्ताह ज्ञान यज्ञ का हुआ समापन

धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण रुक्मणि विवाहोत्सव, सजीव झांकी ने किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बंधी स्टेशन स्थित सन्यासी आश्रम में विश्व कल्याण की कामना को लेकर चल रहे सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शनिवार को समापन हो गया। रविवार को हवन यज्ञ पूर्णाहुति के साथ कन्या पूजन, कन्या भोज के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया जायेगा। सप्ताह ज्ञान यज्ञ मैं संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन हो रहा था। कथा वाचक नीलम मिश्रा के द्वारा संगीतमयी कथा सुनाई गई। कथा सुनने रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामवासी पहुंचकर धर्म लाभ लिए।

श्री कृष्ण-रुक्मणी विवाह चरित्र का प्रसंग सुनाया। कृष्ण-रुक्मणी विवाह में श्रद्धालु झमकर झूमे। कथा वाचक ने कहा कि, प्रभु की कृपा के लिए भक्ति की आवश्यकता है। इस दौरान कृष्ण रुक्मणी की सजीव झांकी सजाई गई तथा संगीतमय भजनों पर महिला श्रद्धालु मंत्र मुग्ध होकर जमकर झूमे।

कथावाचक ने कहा कि श्री कृष्ण ने अपने मामा का नहीं बल्कि उसके अहंकार का वध किया। द्वापर युग में जब कंस का अत्याचार बढ़ा तब भगवान विष्णु ने मनुष्य रूप में श्रीकृष्ण का जन्म लेकर बड़े- बड़े राक्षसों का वध करने के बाद अंत में पापी कंस का वध कर लोगों को उसके अत्याचारों से छुटकारा दिलाया। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा नरेश के रूप में विराजमान होने के साथ देवी रुक्मणी के साथ धूमधाम से विवाह किया। श्रीहरि के जयघोष से पूरा पांडाल गूंज उठा। कथा वाचक द्वारा उद्घोषित मंत्रोचार के बीच जैसे ही विवाह का कार्य संपन्न हुआ तो श्रद्धालुओं की भीड़ ने पुष्प वर्षा की।मित्रता हो तो श्रीकृष्ण सुदामा जैसी-शनिवार को संगीतमय कथा मैं श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता का प्रसंग सुनाया गया।

कथा वाचक कहा कि सच्ची मित्रता के लिए कृष्ण सुदामा की मित्रता का उदाहरण दिया जाता है। द्वारपाल के मुख से सुदामा सुनते ही द्वारिकाधीश नंगे पांव मित्र की अगवानी करने पहुंच गए। लोग समझ नहीं पाए कि आखिर सुदामा में क्या खासियत है कि, भगवान खुद ही उनके स्वागत में दौड़ पड़े। श्रीकृष्ण ने स्वयं सिंहासन पर बैठाकर सुदामा के पांव पखारे। कथा सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे।

संयासी मंदिर में चल रही श्रीराम कथा का भंडारे के साथ समापन

उमरियापान के सन्यासी महाराज मंदिर परिसर में आयोजित श्रीराम कथा का समापन विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों एवं विशाल भंडारे के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कथावाचक पंडित नीरज गर्ग ने कथा के दौरान प्रतिदिन प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों एवं मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का भावपूर्ण वर्णन किया। समापन दिवस पर हवन पूर्णाहुति, महाआरती एवं कन्या भोजन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। इसके उपरांत बैंडबाजों एवं डीजे की धुन पर देर शाम जलविहार दहकंडो जुलूस निकाला गया। जुलूस में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और पूरा नगर राममय वातावरण में सराबोर हो गया।

राजस्व वसूली की लक्ष्यपूर्ति के लिए डोर टू डोर दस्तक, कार्यवाही भी की जा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम की आर्थिक स्थिति सुदृढ करने तथा लक्ष्य के अनुरूप राजस्व आय बढ़ाने के उद्देश्य से निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार लगातार वसूली अभियान की समीक्षा कर रहीं हैं और राजस्व अमले को दिशा निर्देश भी दे रहीं हैं। निगमायुक्त के निर्देश पर निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक एवं राजस्व की टीम लगातार मैदान में उतरकर करदाताओं से डोर टू डोर संपर्क कर बकाया करों की राशि निगम कोष में जमा करनें हेतु प्रेरित करते हुए करदाताओं से राशि वसूली जाकर निगम कोष में जमा कराई गई।

राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अवकाश के दिन शनिवार को भी निगम कार्यालय एवं जोन कार्यालयों में कर भुगतान की व्यवस्था नागरिकों को उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त शाम 6 बजे तक नगर के तीन स्थलों विवेकानंद वार्ड खेरमाई माता मंदिर के पास, गजानन कॉम्प्लेक्स के पास एवं बिलैया तलैया सब्जी मंडी में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाकर नागरिकों को बकाया कर जमा करने की सुविधा प्रदान की गई।

शनिवार को करदाताओं ने शिविर एवं अवकाश के दिन खोले गए कार्यालय के कैश काउंटर की सुविधा का भरपूर लाभ प्राप्त करते हुए बकाया राशि निगम खजाने में जमा की है। उन्होंने निगम के समस्त करदाताओं से 31 मार्च के पूर्व अपने बकाया करों की राशि निगम कोष में जमा करने का आग्रह किया है।

नागरिकों की सुविधा के मद्देनजर सोमवार 16 फरवरी को शंभू टॉकीज के पास सरावगी सदन एवं सत्यनारायण मंदिर के सामने शिविरों का आयोजन किया जाकर नागरिकों को बकाया कर जमा करने की सुविधा प्रदान की जायेगी। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा राजस्व वसूली में गति लाने तथा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे निगम प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधा का लाभ प्राप्त कर समय पर बकाया करों का भुगतान करें तथा शहर के विकास कार्यों में सहभागी बनें।

आज मनाया जाएगा भगवान भोलेनाथ का महाशिवरात्रि पर्व

महाशिवरात्रि पर बन रहे शुभ योग, मंदिरों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

भगवान शिव व पार्वती के परिणय का पर्व महाशिवरात्रि आज स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र में हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया जायेगा। वही महाशिवरात्रि पर शिव विवाह के पहले तहसील क्षेत्र के मंदिरों में मांगलिक कार्यों की रस्मों की शुरुआत हो गई है क्योंकि अनेक मंदिरों में रस्मो रिवाज के साथ महाशिवरात्रि के आयोजन किए जाते हैं। इसमें महिला संगीत, हल्दी मेंहदी की रस्म, विवाह और भंडारा के आयोजन किए जाते हैं।

रसिक बिहारी जू सिंहवाहिनी मंदिर होंगे विविध आयोजन

स्लीमनाबाद स्थित रसिक बिहारी जू सिंहवाहिनी मंदिर में महा शिवरात्रि पर्व का आगाज एक दिन पहले शनिवार से हुआ।सिंहवाहिनी महिला मंडल की सदस्यों के द्वारा अखंड रामचरित मानस पाठ के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया। इस मौके पर बधाई गीत गाए।साथ ही कौड़िया स्थित श्रीराम जानकी मंदिर, खिरहनी स्थित जगदीश धाम, बाबागढ़ धाम सहित शिवमंदिरों व शिवालयो मै अखंड रामचरित मानस पाठ शुरू हुए।

पंडित रमाकांत पौराणिक ने बताया कि इस साल महाशिवरात्रि पर 10 बड़े ही शुभ योग रहने वाले हैं। इस दिन शिव योग से लेकर सर्वार्थ सिद्धि, प्रीति, आयुष्मान, सौभाग्य, शोभन, साध्य, शुक्ल और ध्रुव जैसे कई योग बनेंगे साथ ही, इस दिन व्यतिपात और वरियान योग भी रहने वाले हैं। महाशिवरात्रि पर चार प्रमुख राजयोग रहने वाले हैं। इस दिन बुध और सूर्य की युति से बुधादित्य राजयोग बनेगा। बुध और शुक्र मिलकर लक्ष्मी नारायण राजयोग बनाएंगे जबकि सूर्य और शुक्र से शुक्रादित्य योग का निर्माण होगा। शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहकर शश महापुरुष राजयोग बनाएंगे। इसके अलावा, सूर्य, बुध, शुक्र और राहु की एक साथ उपस्थिति से चतुर्ग्रही योग भी बन रहा है। पंडित दिलीप पौराणिक ने बताया कि सिंहवाहिनी रसिक बिहारी जू मंदिर मे महाशिवरात्रि पर रविवार की दोपहर में मेंहदी की रस्म होगी। इसके बाद शिव बारात निकाली जाएगी। धूमधाम से शिव पार्वती विवाहोत्सव मनाया जायेगा। शिव बारात के आमंत्रण के लिए मंदिर समिति की ओर से ई-पत्रिका तैयार की गई है, सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से शिव विवाह के लिए श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया जा रहा है।

कलेक्टर के नवाचारों से जिले में बढ़ रहा जैविक खेती का रकबा

जिले की प्राकृतिक और जैविक खेती को विदेशी मेहमानों ने सराहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय पहचान की ओर बढ़ रहे हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर शुरू नवाचारों से कटनी जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है। किसानों का रुझान अब औषधीय एवं प्राकृतिक फसलों की ओर तेज़ी से बढ़ा है, जिसके चलते कटनी आज प्रदेश के अग्रणी जिलों में अपनी विशेष पहचान बना रहा है।

ग्रामीण पर्यटन और प्राकृतिक खेती का प्रत्यक्ष अनुभव लेने सात समुंदर पार फ्रांस से आए सात मेहमानों ने कटनी जिले के बिजौरी गांव पहुंचकर खेतों में प्राकृतिक खेती का अवलोकन किया।

पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव श्री निर्भय सिंह ने बताया कि भ्रमण के दौरान फ्रांसीसी अतिथियों को बिजौरी में प्राकृतिक पद्धति से की जा रही गेहूं की खेती दिखाई गई, जहाँ बिना किसी रासायनिक खाद और कीटनाशक के केवल जैविक खाद एवं प्राकृतिक दवाइयों से फसल लहलहा रही है। देशी और प्राकृतिक खेती का यह अनोखा अंदाज देखकर विदेशी मेहमान उत्साहित हो उठे और वाव कहते नजर आए।

लागत कम, मुनाफा अधिक

अतिथियों को विस्तार से बताया गया कि कम लागत और अधिक उत्पादन वाली यह पद्धति किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विदेशी प्रतिनिधिमंडल इस बात से खासा प्रभावित हुआ कि समिति द्वारा किसानों को जैविक खाद एवं दवाइयाँ स्वयं तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही गांव-गांव में बायो रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) स्थापित कर किसानों को उचित मूल्य पर जैविक इनपुट उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नर्सरियों का अवलोकन

खेत भ्रमण के बाद फ्रांसीसी मेहमानों ने बिजौरी स्थित मानव जीवन विकास समिति के परिसर में विकसित आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी नर्सरी, फलोद्यान तथा अन्य पौध नर्सरियों का भी अवलोकन किया। कटनी की हरियाली, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण जीवनशैली को नजदीक से देखकर सभी अतिथि बेहद प्रसन्न नजर आए और इस मॉडल को प्रेरणादायक बताया।

फ्रांस से आए क्लाउड रैबर, जीन यवेस पोइरी, ऐनी फ्रैंकोइसआर, मैरिट कास्टे, ओडिले पोइरियर, जोएलेल रेनॉड और कैथरीन बीटिस्च सहित सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण पर्यटन, खेती-किसानी और स्थानीय परिवेश को समझने कटनी पहुंचा था। इंदौर से आए ट्रांसलेटर यथार्थ तिवारी एवं गाइड भूपेश शर्मा की सहायता से पूरे भ्रमण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

यह भ्रमण मध्यप्रदेश में ग्रामीण पर्यटन और प्राकृतिक खेती को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

फायर दल ने सिखाए अग्नि सुरक्षा एवं रेस्क्यू के कौशल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नागरिकों में आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, होमगार्ड ग्राउंड, जिला कटनी में आयोजित 07 दिवसीय नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर नगर निगम कटनी के फायर दल द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा समय सीमा की बैठक में नागरिकों को फायर सेफ्टी की जानकारी प्रदान करने तथा मॉक ड्रिल आयोजित करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम के फायर दल द्वारा शनिवार को आयोजित सत्र के दौरान वॉलिंटियर्स को अग्नि दुर्घटना की स्थिति में

अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली, एवं राहत-बचाव कार्यों की चरणबद्ध प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। फायर दल के प्रशिक्षकों ने फायर ब्रिगेड को समय पर एवं प्रभावी ढंग से सूचना प्रेषित करने के तरीकों पर मार्गदर्शन देते हुए आपातकालीन संचार के महत्व को रेखांकित किया।

प्रशिक्षण में बहुमंजिला इमारतों एवं बड़ी बिल्डिंगों में संभावित आगजनी की घटनाओं के दौरान सुरक्षित रेस्क्यू ऑपरेशन, निकासी (इवैक्यूएशन) तकनीक, एवं व्यक्तिगत सुरक्षा मानकों का प्रैक्टिकल (डेमो) के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। सत्र के दौरान प्रशिक्षकों ने आग से बचाव के लिए प्राथमिक सावधानियों, जोखिम आकलन, तथा टीम समन्वय की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवकों को आपात स्थितियों में प्रभावी सहयोग हेतु आवश्यक व्यवहारिक कौशल प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे वे समाज में सुरक्षा जागरूकता के सशक्त माध्यम बन सकें। प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रदर्शित तकनीकों का अभ्यास किया एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

खबर संक्षेप

नकदी सहित जेवरात लेकर चंपत हुए चोर

कटनी। बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खन्ना छैघरा में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया है। चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी सहित कुल 80 हजार रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया है। जानकारी के अनुसार 13 फरवरी की दरम्यानी रात करीब 1 से 3 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया।
बलरामदास पटेल 56 वर्ष निवासी ग्राम खन्ना बंजारी ने शिकायत दर्ज कराई है कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनके घर में प्रवेश कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने घर के अंदर रखे सोने एवं चांदी के कीमती जेवरात, 10 हजार रुपये नकद सहित लगभग 80 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। बरही पुलिस ने मामला पंजीबद्ध करते हुए अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और क्षेत्र में संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

नेशनल लोक अदालत को लेकर आयोजित हुई बैठक

कटनी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जितेन्द्र कुमार शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी के मार्गदर्शन 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु आज 12 को जिला न्यायालय कटनी के कॉफेंस हॉल में समय दोपहर 2 बजे से अनुज कुमार मित्तल विशेष न्यायाधीश एवं एस0पी0एस0 बुंदेला जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से मनीष गौतम, यूनाइटेड इंश्सोरेंस कंपनी से इच्छा दीक्षित, मैग्मा इंश्सोरेंस कंपनी से सुमित अग्रवाल, इफाको टोकियो इंश्सोरेंस कंपनी से अमित दुबे एवं आई0सी0आई0सी0आई0 इंश्सोरेंस कंपनी से मयूर सोनी बीमा कंपनी के अधिकारीगण व्ही0सी0 के माध्यम से उपस्थित रहें एवं बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं क्लेमेंट अधिवक्तागण उपस्थित रहे। अनुज कुमार मित्तल विशेष न्यायाधीश एवं एस0पी0एस0 बुंदेला जिला न्यायाधीश के द्वारा बीमा कंपनी के अधिकारियों से वन टू वन चर्चा की गयी एवं न्यायालय में लंबित मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणो के अधिक से अधिक निराकरण कराये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, एवं बीमा कंपनी के अधिकारीगण द्वारा अधिक से अधिक संख्या में क्लेम प्रकरणों के निराकरण कराये जाने का अश्वासन दिया।

गोपालपुर में श्री मद भागवत कथा आज से

सिलौंडी। गोपालपुर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 15 फरवरी से विशाल शोभायात्रा के साथ शुरू होगा ।आयोजन समिति के मोहन बागरी ,प्रवीण तिवारी ने बताया पिछले 29 सालों से लगातार गोपालपुर में श्री मद भागवत कथा का आयोजन होता है जिसमें पूरा क्षेत्र बड़ी संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ लेता है कथा का वाचन ब्रजकृष्ण शास्त्री वृंदावन वाले महाराज से मुखरविन्द से होगा ।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए चला फॉगिंग अभियान

कटनी। मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा सुचारू सफाई व्यवस्था के साथ ही लगातार फागिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस हेतु प्रत्येक जोन के अलग-अलग वार्डो के मुख्य एवं अन्य मार्गों में ई रिक्शा के माध्यम से फागिंग मशीन से रासायनिक धुएं का छिड़काव कार्य अनवरत जारी है। स्वास्थ्य विभाग का विशेष दस्ता निर्धारित कैलेंडर अनुसार शुक्रवार शाम चार वार्डों मदन मोहन चौबे वार्ड, वंशस्वरूप वार्ड, सीएलपी वार्ड एवं राम निवास सिंह वार्ड के विभिन्न मार्गों, गलियों एवं बस्तियों में पहुंचकर फागिंग कराई गई।

अद्भुत रहस्यों को संजोय है रुपनाथ धाम, सम्राट अशोक का छिपा है खजाना

भगवान शिव ने प्यास बुझाने तीन कुंड किये थे निर्मित रुपनाथ धाम से सुरँगी रास्ता पहुँचता है बांदकपुर धाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

देवाधिदेव महादेव व माता पार्वती के विवाहोत्सव का पावन पर्व महाशिवरात्रि आज रविवार को मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर जिले भर के शिव मंदिरों में विविध आयोजन होंगे। बहोरीबंद स्थित रुपनाथ धाम अपने अद्भुत रहस्यों को संजोय रखा है जो अपनी कविंदतियो को लेकर जाना जाता है। रुपनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर्व पर विविध आयोजन होंगे। बड़ी संख्या मे भक्तो का जनसैलाब उमड़ेगा जहां पूजन अर्चन कर सुख समृद्धि की कामना की जाएगी।

रुपनाथ धाम की यह किवंदती है कि यहां पर भोले बाबा की गुफा देखने के लिए मिलती है जिसमें शिवलिंग विराजमान है। रूपनाथ मंदिर में पार्वती माता का मंदिर भी बना हुआ है। यहां पर पहाड़ी के किनारे मंदिर बने है। यहां पर पहाड़ी के किनारे तीन कुंड देखने के लिए मिलते हैं। इन कुंड को राम कुंड, लक्ष्मण कुंड और सीता कुंड के नाम से जाना जाता है।

रुपनाथ धाम में प्राचीन अभिलेख भी देखने के लिए मिलता है। यह अभिलेख सम्राट अशोक का है। बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार करने के लिए, सम्राट अशोक यहां पर आए थे।वर्तमान मे पूरा परिसर पुरातत्व विभाग के अधीन है।

सुरँगी रास्ता पहुँचता है बांदकपुर

रूपनाथ धाम में एक सुरंगी रास्ता है मौजूद है जो यह रास्ता बांदकपुर के जागेश्वरधाम तक पहुंचता है।भगवान शिव इसी गुफा के रास्ते बांदकपुर के जागेश्वर नाथ गए थे। हालांकि यह रास्ता कई वर्षों से बंद है। लोगों को सुरंगी गुफा के भीतर जाना प्रतिबंधित है। एक ओर जहां रूपनाथ अर्थात भगवान भोलेनाथ का मंदिर है तो वहीं दूसरी ओर यहां श्रीराम, सीता व लक्ष्मण नाम के तीन कुंड भी हैं, जिनमें जल स्तर बारह महीनों बना रहता है। वहीं रूपनाथ धाम प्राकृतिक सौंदर्य से भी भरपूर है। रूपनाथ धाम को लेकर एक धार्मिक किवदंती भी यह है कि यहां भगवान शिव की बारात रूकी थी। बारातियों की प्यास बुझाने के लिए भगवान शिव की कृपा से यहां तीन कुंड निर्मित हुए थे जिन्हें आज श्रीराम कुंड, सीता कुंड व लक्ष्मण कुंड के नाम से जाना जाता है। यह तीनों कुंड एक इमारत के पहले, दूसरे व तीसरे तल की तरह हैं।इस स्थान पर प्राकृतिक सौंदर्य की छटा भी चारों ओर बिखरी हुई है। जहां एक ओर यहां धार्मिक आस्था से जुड़े लोग पहुंचते हैं तो वहीं दूसरी ओर सैलानियों का भी यहां आना जाना बना ही रहता है। वहीं यहां पर अशोक सम्राट के रहने के निशान और विशेष लिपि में लिखे गए शिलालेख पुरात्व की कहानी बखान रहे हैं।

आज होंगे विविध कार्यक्रम

रूपनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर भव्य विवाह महोत्सव मनाया जायेगा।आयोजन की शुरुआत दोपहर 12 बजे भजन-कीर्तन से होगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे हल्दी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोपहर 3 बजे भगवान की बारात निकलेगी और 3:30 बजे जयमाला का कार्यक्रम होगा। शाम 4 बजे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा, जबकि शाम 5:30 बजे महा आरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं पहुंचने अपील की है

दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से बुरी तरह पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा थाना क्षेत्र ग्राम रोहिनया में एक दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से पीट दिया। मारपीट में घायल महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर लिया है। घटना 12 फरवरी की है। पुलिस के अनुसार एक बालिका दीपांशु गुप्ता की किराना दुकान पर 5 का सिक्का लेकर बिस्कुट लेने गई थी दिवांशु गुप्ता ने लड़की को बिस्किट नहीं दिया वह रोते हुए घर वापस आ गई। बिठोलिया बाई ने दुकान पर जाकर पूछा कि लड़की को बिस्किट क्यों नहीं दिया तो उसने कहा सिक्का खराब है दूसरा लाओ। पीड़िता ने बोला की लड़की रो रही है आप बिस्कुट दे दो तो दीपांशु गुप्ता गाली गलौज करने लगा।

महिला ने गाली देने का विरोध करने पर उसने डंडा निकालकर विमला बाई और बिठौलिया बाई पर हमला कर दिया जिससे वह दोनों लहुलुहान होकर गिर पड़ी। आरोपित दीपांशु गुप्ता जल्दी से दुकान बंद कर कर भाग गया। घायलों को बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चोट अधिक होने के चलते दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

शिकायत पर बड़वारा पुलिस ने बीएनएस की धारा 296 (b) BNS 2023 की धारा 115(2) BNS 2023 धारा 351 (2) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 3(1) द , 3(1) ध, 3(2) va के तहत मामला दर्ज किया है। भीम आर्मी उपाध्यक्ष जय सूर्यवंशी ने पुलिस से निष्पक्ष कार्यवाही कर पीड़ितों को न्याय दिलाने मांग की है।

परीक्षा के माध्यम से महिलाओं की दक्षता का किया गया आंकलन

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार स्थापित करने दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र शासन ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जिले के जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के अंतर्गत ग्राम बिहरियाकी 35 गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली स्व सहायता समूह की महिलाओं को कृषि उद्यमी का 13 दिवसीय प्रशिक्षण स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मे प्रबंधक पवन कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक सुनील रजक के सहयोग से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पश्चात ओम प्रकाश चतुर्वेदी परीक्षा नियंत्रक एवं प्रमाणीकरण रुडसेटी ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार मुख्यालय भोपाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में कृषि उद्यमी की परीक्षा परीक्षक रामसुख दुबे कटनी एवं बैंक से संबंधित परीक्षा परीक्षक आशीष खरे मैहर द्वारा परीक्षा ली गई।

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए कृषि उद्यमी के अंतर्गत जलवायु भूमि के प्रकार पोषक तत्व मिट्टी परीक्षण जैविक खाद एवं कीटनाशक जैविक खेती कीट एवं रोग नियंत्रण खाद्यान्न दलहन तिलहन एवं सब्जी फसलों सिंचाई के अंतर्गत स्प्रिंकलर टपक सिंचाई शुष्क भूमि कृषि तकनीकी लघु एवं सीमांत कृषकों के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली औषधीय एवं सुगंधित तथा फूल वाले पौधे पशुपालन पादप प्रसार तकनीक के अंतर्गत ग्राफ्टिंग बडिंग लेयरिंग नर्सरी प्रबंधन एवं कृषि से संबंधित। जैविक खेती की आवश्यकता भूमि मानव एवं पर्यावरण को हो रहे नुकसान रासायनिक खाद से नुकसान एवं जैविक खेती के फायदे तथा जैविक कीटनाशक के अंतर्गत गोमूत्र नीम पत्ती पांच पत्ती काढ़ा नीमच ब्रह्मास्त्र तथा आग्नेयास्त्र आदि कीटनाशकों को बनानेतथा फसलों में उपयोग की जानकारी एवं मूल्यांकन परीक्षा रामसुख दुबे द्वारा किया गया तथा बैंकिंग से संबंधित मूल्यांकन आशीष खरे मैहर द्वारा किया गया। परीक्षा संपन्न कराने में राजेश विश्वकर्मा एवं ओमप्रकाश तिवारी का सहयोग रहा।

महिलाओं के अधिकारों के लिए सदन तक करेंगे संघर्ष

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के प्रथम कटनी आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया। भारतीय युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सौम्या राँधेलिया के नेतृत्व में पन्ना मोड़ पर सैकड़ों की संख्या में एकत्रित महिलाओं ने पुष्पहारों और नारों के साथ प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। रीना बौरासीइस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी ने कहा कि आगामी समय में महिला कांग्रेस पूरे प्रदेश में महिलाओं के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए सौम्या राँधेलिया की सक्रियता की विशेष प्रशंसा की और पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्वागत कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता कमल पांडे, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद इसराइल, प्रदेश सचिव दिव्यांशु मिश्रा, NSUI जिलाध्यक्ष शुभम मिश्रा, सचिन गर्ग, प्रदेश सचिव अजय खटिक, विजयमंगल चौधरी और श्याम यादव सहित बड़ी संख्या में पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवीन होम स्टे में रुके फ्रांसीसी मेहमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में फ्रांस से आये विदेशी मेहमान क्लाउड रैबर 71 वर्षीय पुरुष, जीन यवेस पोइरी 66 वर्षीय पुरुष, ऐनी फ्रैंकोइसआर 69 वर्षीय महिला, मैरिट कास्टे 80 वर्षीय महिला, ओडिले पोइरियर 61 वर्षीय महिला, जोएलेल रेनॉड 67 वर्षीय महिला, कैथरीन बीटिस्च 67 वर्षीय महिला सहित सात फ्रांसीसी मेहमानों को ग्रामीण पर्यटन अंतर्गत मप्र के कटनी सहित अलग अलग जिलों में ट्रांस्लेटर यथार्थ तिवारी और गाईड भूपेश शर्मा की मदद से भ्रमण कराया जा रहा है।

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने मानव जीवन विकास समिति द्वारा मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल के सहयोग से प्रदेश के अलग अलग जिले कटनी, उमरिया, डिंडोरी, दमोह, सीहोर और मंडला जिले के अलग अलग गांव में होमस्टे का निर्माण कराया जा रहा है जिसमे कुछ जगहों पर होमस्टे बनकर तैयार भी हो गए है जहाँ गेस्टों का आना भी शुरू हो गया है।

उमरिया जिले अंतर्गत मानपुर ब्लॉक के दमना गांव में 5 परिवारों के यहाँ होमस्टे बनकर तैयार है। इन्ही होमस्टे में मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में यूरोप (फ्रांस) से आए विदेशी मेहमान होमस्टे में रुकने सहित वहां के आसपास के गाँव में पर्यटक स्थल का लुफ्त उठाने सहित ग्रामीण संस्कृति और कल्चर का आनंद लिया। ग्रामीण पर्यटक विजिट के दरमियानी होमस्टे में रुकने, देशी परिवेश में भोजन, ग्रामीण संस्कृति और कल्चर जैसे विभिन्न गतिविधियों से रूबरू हुए। पुरातात्विक धरोहर पुरानी गढ़ी चतुर्भुज मंदिर, लोकल मेले, गांव का भ्रमण, स्कूल का भ्रमण, बैलगाड़ी की सवारी, कर्मा नृत्य एवं देशी व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

महिलाओं का किया सम्मान, प्लास्टिक मुक्त ग्राम का निर्माण करने दिलाई शपथ

कटनी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के कन्हवारा सेक्टर क्रमांक 03 के ग्राम पंचायत मड़ई के ग्राम सुरकी टैंक में स्थित शिव धाम मंदिर परिसर में स्वच्छता श्रम दान प्लास्टिक मुक्त ग्राम और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं की सक्रिय सहभागिता एवं उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में मंदिर परिसर की साफ सफाई की गई मंदिर प्रांगड़ को स्वच्छ जल धोया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में महिलाओं का पुष्प माला से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में स्वच्छता को अपनाने और प्लास्टिक का बहिष्कार कर प्लास्टिक मुक्त ग्राम का निर्माण करने की शपथ दिलाई गई। इस आयोजन की तैयारी हेतु नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य रूपा बर्मन सेक्टर प्रभारी गनपत लाल कोल एवं ग्राम की महिलाओं का सराहनीय सहयोग व योगदान रहा।

ब्रिगेडियर एवं पुलिस अधीक्षक ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा एवं ब्रिगेडियर संजय शर्मा द्वारा आर्मी भर्ती स्थल पुलिस लाइन ग्राउंड का संयुक्त निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान प्रवेश-निकासी व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी कैमरे, हेल्प डेस्क, टेंट एवं प्रकाश व्यवस्था सहित समस्त व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन किया गया।

अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक अग्नि वीर को गरिमामय, सुरक्षित एवं पूर्णतः पारदर्शी वातावरण उपलब्ध हो। भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनी रहे। साथ ही पुलिस बल द्वारा की गई भीड़ प्रबंधन एवं ट्रैफिक कंट्रोल की तैयारियों की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान दौड़ ट्रैक पर सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता, चिकित्सा सहायता तथा समय मापन प्रणाली का भी गहन परीक्षण किया गया। ब्रिगेडियर संजय शर्मा द्वारा शारीरिक दक्षता परीक्षण (PFT) क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त शारीरिक माप परीक्षण स्थल का निरीक्षण किया गया, जहां अभ्यर्थियों की ऊंचाई, वजन एवं सीने की माप निर्धारित सैन्य मानकों के अनुरूप की जा रही थी। भर्ती प्रक्रिया में उपयोग किए जा रहे तकनीकी उपकरणों एवं निगरानी व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली गई।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को दी जा रही जानकारी

लेजर लैंड लेवलर सहित उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषक कल्याण वर्ष 2026 – समृद्ध किसान, समृद्ध मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर कृषि रथ विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम सिंदुरसी,कूड़न और बहोरीबंद के गांवों में भ्रमण कर किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी दे रहा है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग के उपयंत्री संदीप पीपड़ा द्वारा किसानों को उन्नत कृषि यंत्र लेजर लैंड लेवलर की कार्यप्रणाली विस्तार से समझाई गई। उन्होंने बताया कि यह यंत्र लेजर तकनीक के माध्यम से खेत की सतह को अत्यंत सटीकता से समतल करता है।

उपयंत्री पीपड़ा ने बताया कि लेजर लैंड लेवलर के प्रमुख घटकों में लेजर ट्रांसमीटर, लेजर रिसीवर, कंट्रोल बॉक्स एवं हाइड्रोलिक बकेट ब्लेड शामिल हैं। लेजर ट्रांसमीटर को खेत में एक निश्चित लेवल पर सेट कर स्टैंड पर लगाया जाता है, जो लगातार 360 डिग्री में लेजर किरण छोड़ता है। यह किरण हाइड्रोलिक ब्लेड पर लगे लेजर रिसीवर द्वारा ग्रहण की जाती है। रिसीवर से मिले सिग्नल के आधार पर ट्रैक्टर में लगा कंट्रोल बॉक्स हाइड्रोलिक सिस्टम के जरिए बकेट ब्लेड को ऊपर-नीचे संचालित करता है। उन्होंने बताया कि रिसीवर में ग्रीन लाइट जलने पर खेत समतल होता है, येलो लाइट होने पर जमीन ऊंची होने से ब्लेड मिट्टी काटता है और रेड लाइट होने पर जमीन नीची होने पर वहां मिट्टी डालकर लेवल किया जाता है। इस प्रक्रिया से पूरा खेत समान रूप से समतल हो जाता है।

उपयंत्री ने किसानों को बताया कि असमतल खेतों में ऊपरी हिस्से में पानी नहीं रुकता और निचले हिस्सों में जलभराव हो जाता है, जिससे फसल प्रभावित होती है। जबकि समतल खेतों में पानी समान रूप से फैलता है, जिससे सिंचाई की बचत होती है। साथ ही घुलनशील उर्वरक पूरे खेत में बराबर पहुंचते हैं, बीज की गहराई समान रहती है और अंकुरण एकसमान होता है।

लेजर लैंड लेवलर के उपयोग से सिंचाई, खाद, समय और डीजल की बचत होती है, पौधों की बढ़वार मजबूत होती है और पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इसके साथ ही उपयंत्री संदीप पीपड़ा द्वारा पराली प्रबंधन यंत्रों एवं कृषि विभाग की प्रमुख योजनाओं की भी जानकारी किसानों को दी गई, जिससे कृषकों में आधुनिक तकनीक अपनाने को लेकर उत्साह देखा गया।

आदतन अपराधी को 4 महीने के लिए जिले से किया निष्कासित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर आशीष तिवारी ने गांधी गंज निवासी 20 वर्षीय राज उर्फ प्यारे चौरसिया को 4 माह के अवधि के लिए जिले के राजस्व सीमाओं से बाहर जाने का आदेश पारित किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने राज उर्फ प्यारे चौरसिया के विरूद्ध वर्ष 2021 से वर्ष 2025 तक 9 अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध होने और पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही की है। प्यारे चौरसिया के विरूद्ध आम जन के साथ गाली गलौच करने मारपीट कर चोट पहुचाने जान से मारने की धमकी देने आम नागरिकों से शराब पीने के लिए अवैध रूप से पैसों की मांग करने, अवैध शस्त्र अपने कब्जे में रखकर घूमने एवं अवैध शराब के विक्रय करने की जैसे अपराध पंजीबद्ध है। इसके अलावा प्यारे चौरसिया वर्ष 2021 से लगातार अपने साथियों के साथ आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहकर कुख्यात गुंडो का गिरोह बनाकर आतंक बनाए रखता है जिससे आम जनता राहगीर व्यापारिक मजदूर एवं क्षेत्रवासी काफी भयभीत रहते है। जिस पर कार्यवाही करते हुए कलेक्टर ने राज उर्फ प्यारे चौरसिया को 4 माह की राज की अवधि के लिए कटनी जिले की राजस्व सीमाओं तथा समीपवर्ती जबलपुर, मैहर, दमोह, पन्ना एवं उमरिया की राजस्व सीमाओं से 4 माह की अवधि के लिए बाहर जाने का आदेश दिया है। जारी आदेश में कहा गया हे कि प्यारे चौरसिया के विरूद्ध यदि कोई प्रकरण कटनी जिले के किसे न्यायालय में चल रहा है वह नियत पेशी पर न्यायालय में उपस्थित हो सकेगा।

धरा गया सटोरिया

कटनी। माधवनगर पुलिस ने सुनील कुमार निवासी खेरमाई मोहल्ला को सट्टा पट्टी काटते पकड़ा एवं नगदी 220 रूपए जब्त किये।

नाम सुधार सूचना

मैं शपथकर्ता कुलदीप कुमार विश्वकर्मा उम्र 32 साल पिता श्री सतईराम विश्वकर्मा निवासी ग्राम पो. पड़वार तहसील बहोरीबंद जिला कटनी म.प्र. का स्थाई निवासी शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि

1. यह कि मैं उपरोक्त वर्णित पते का स्थाई निवासी हूँ।

2. यह कि मैं सेना पुलिस कोर में नायक के पद पर पदस्थ हूँ मेरा सैनिक नंबर 77864563 **A** है। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम आरव विश्वकर्मा पिता कुलदीप कुमार विश्वकर्मा का नाम दर्ज है।

3. यह कि मेरे पुत्र आरव विश्वकर्मा चालू नाम है जबकि उसके जन्म प्रमाण पत्र में वास्तविक नाम रुद्रांश विश्वकर्मा जन्म दिनांक 25/04/2024 दर्ज है। इस कारण से मैं अपने सर्विस रिकार्ड में आरव विश्वकर्मा के स्थान पर रुद्रांश विश्वकर्मा दर्ज कराना चाहता हूँ। जैसा कि पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र मे अंकित है।

खास बातें

आकाश अग्रवाल ने किया जरूरतमंद को रक्तदान

दमोह। पुलवामा हमले के शहीदों को नमन करते हुए मानवता की सेवा का संदेश देते हुए महामाया रक्तदान एवं जनकल्याण समिति के सदस्य आकाश अग्रवाल जी ने ओ पॉजिटिव रक्तदान किया। समिति के अध्यक्ष अखिलेश रजक द्वारा आकाश अग्रवाल एवं गजेंद्र अहीरवाल को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष अखिलेश रजक ने सभी लोगों से अपील की कि जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए आगे आएं और अधिक से अधिक रक्तदान करें। रक्तदान महादान है कृ आपका एक कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है। सहयोगी सदस्य सहयोगी अध्यक्ष अखिलेश रजक, डॉ अमित प्रकाश जैन, डॉ दिवाकर पटेल, डॉ प्रेमलता नीलम, सुमन चढ़ार, सचिव अभिषेक जैन, कोषाध्यक्ष आशीष रजक, अनुज अरोरा, सिकंदर खरारे, दाम्मू रजक एवं ब्लड बैंक स्टाफ उषा यादव, प्रीति गुप्ता, सौरभ खरे, जीतेंद्र रैकवार संजय प्यासी आदि की उपस्थिति रहीं।

लाड़ली बहनों को मिली फरवरी माह की सहायता राशि

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खण्डवा जिले के पंधाना से सिंगल क्लिक के जरिए लाड़ली बहनों को वर्तमान फरवरी माह की आर्थिक सहायता राशि का अंतरण किया। इस मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की महिला हितग्राहियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को देखा एवं सुना। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार सिंह एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारीगण भी मौजूद थे। जिले की सभी ग्राम पंचायतों, ग्रामों और वार्डों में भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ। पन्ना जिले की एक लाख 80 हजार 451 लाड़ली बहनों को 26 करोड़ 58 लाख का भुगतान किया गया।

ग्राम कचनारी हिनौता की गौशाला में चारा पानी की वाट देख रही गौमाता

दर-दर भटक रहे मवेशी, गौशालाओं को नहीं मिल पा रहा समुचित लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गेसाबाद

प्रदेश सरकार द्वारा गांव गांव में गौशाला का निर्माण यह उद्देश्य को लेकर कराया गया था कि गांव-गांव में आवारा फिर रहे मवेशियों के लिए आशियाना एवं चरने पीने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए लेकिन गौशालाओं का समुचित लाभ गौ माता को मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। आज भी गांव-गांव में मवेशी दर-दर भटक रहे हैं आवारा मवेशियों से किसानों की फसलों का भी नुकसान होता है। ग्राम गैसावाद में पिछले कुछ दिनों से एक गौ माता जिनका पीछे का एक पैर जख्मी है। पैर में से खून रिश्ता है। वह जख्मी हालत में अपना पेट भरने के लिए बस स्टैंड पर इस दुकान से उस दुकान तक भटक रही है ग्राम का पशु औषधालय लगातार बंद रहता है जिससे पशुओं का इलाज नहीं हो पता है। ऐसे जख्मी मवेशियों को ग्राम की गौशाला में रखा जाना चाहिए ताकि उन्हें अपना पेट भरने के लिए भटकना नहीं पड़े लेकिन इनकी व्यवस्था गौशाला में नहीं हो पा रही है इसी तरह ग्राम कचनारी के किसानों ने हरिभूमि को बताया कि हम लोग 13 फरवरी 2026 को सुबह 9:बजे 35 नग आवारा मवेशियों को हिनौता की गौशाला मे ले गए और हम लोगों ने मवेशियों को गौशाला के अंदर पहुंचा ताकि किसानों की फसलों का नुकसान ना हो लेकिन देखा गया कि दूसरे ही दिन 14 फरवरी 2026 की सुबह उन मवेशियों को गौशाला से बाहर निकाल दिया गया। किसानों ने बताया कि सरकार द्वारा गौशाला मवेशियों के लिए बनाई गई है लेकिन गौशाला संचालक मवेशियों को गौशाला में एक-दो दिन ही रखते हैं। इसके बाद उन्हें छोड़ देते हैं जिससे हमारी फसलों का नुकसान होता है। गौरतलब है कि आवारा मवेशियों से जहां एक तरफ किसान की फसलों को नुकसान होता है वहीं दूसरी ओर मेन रोड पर मवेशियों के घूमने एवं बैठने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है किसान बंधुओ ने ग्रामीण अंचल के मवेशियों को गौशाला में रखे जाने की मांग की है।

इनका कहना है

शीघ्र ही गौशालाओं का निरीक्षण करके जांच की जाएगी, एवं जख्मी मवेशियों के इलाज के लिए 1962 पर कॉल कर सकते हैं।
वीके असाटी,डिप्टी डायरेक्टर पशु औषधालय हटा

महिलाओं ने विवाह के मंगल गीत गाकर की विवाह की रस्में

भूतेश्वर मंदिर में हुई हल्दी रस्म, महिलाओं ने बाबा भूतेश्वर महादेव को लगाया हल्दी उबटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर उपकाशी हटा में सुनार नदी के तट पर स्थित प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार की शाम मंदिर पर नगर की महिलाओं ने पहुंचकर धूमधाम से हल्दी उबटन की रस्म कर मंगल गीतगान किया। श्री भूतेश्वर महादेव भक्त मंडल के तत्वावधान में महाशिवरात्रि पर बाबा भूतेश्वर महादेव के विवाह के अवसर पर विवाह की सभी रस्में निभाई जाएंगी। बड़ी संख्या में नगर की महिलाओं ने हल्दी रंग के पीले वस्त्र धारण कर भगवान भूतेश्वर महादेव को हल्दी उबटन लगाकर मंगल गीत गाए। वहीं भगवान को हल्दी लगाने के बाद महिलाओं ने एक दूसरे को भी हल्दी उबटन लगाया गया। बाबा को हल्दी लगाने में पुरुष भक्त भी पीछे नही रहे। बड़ी संख्या में पुरुषों ने भी बाबा को हल्दी लगाई गई। इस मौके पर भक्त मंडल द्वारा प्रसादी का वितरण किया गया। हल्दी रस्म के दौरान नगर की महिलाओं ने हाथों में हल्दी उबटन थाल लेकर ढोल ढमाकों के साथ भोले बाबा के विवाह गीत गाते हुए नृत्य कर खूब आनंद उठाया। आज शिवरात्रि के पर भूतेश्वर मंदिर के अलावा नगर के देवश्री गौरीशंकर मंदिर पर बड़ी संख्या में भक्त पहुंचकर भोलेनाथ की भक्ति तथा अभिषेक करेंगे। वहीं विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे भक्तों द्वारा महा रुद्राभिषेक के साथ भोले बाबा की बारात नगर की कमला नेहरू वार्ड स्थित शंकर जी के चबूतरा से गाजे बाजे के साथ भव्य बारात नगर में निकाली जावेगी।

धूमधाम से मनाया मातृ-पितृ पूजन दिवस

दमोह। प्रतिवर्षानुसार 14 फरवरी को दमोह (मध्य प्रदेश) स्थित संत आशारामजी आश्रम में "मातृ-पितृ पूजन दिवस" बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। सामूहिक पूजनः आश्रम में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने अपने माता-पिता का विधिवत पूजन किया, उन्हें तिलक लगाया, माला पहनाई, प्रणाम किया, आरती कर और उनकी प्रदक्षिणा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गले लगाकर सैकड़ों माता पिता बड़े ही भावुक हो गए इस पूजन को देखने वालों की भी आँखें नम हो गई संस्कारों का उत्सवः इस दिवस को पाश्चात्य संस्कृति (वैलेंटाइन डे) के विकल्प के रूप में भारतीय संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया गया। समिति के सुंदरदास जी ने बताया कि यह पहल संत श्री आशारामजी बापू की प्रेरणा से वर्ष 2006 में शुरू हुई थी, जो अब दमोह सहित देश-विदेश के कई आश्रमों और स्कूलों में व्यापक रूप से मनाई जाती ळें संत श्री आशारामजी गुरुकुल, निताई पब्लिक स्कूल, आश्रम कॉलोनी,श्री झूलेलाल मंदिर,सिंधी कैम्प के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई प्रमुख रूप से विशेष सहयोग जिनका रहा उनके नाम है

रामचंद्र पोपटानी, अशोक वासवानी,योगेश सोनी,राधेश्याम सोनी,डॉ ए एल रैकवार, ब्रजेश पटेल,आनंद पटेल, हरिदास पटेल, निर्मल त्रिवेदी, सुनील वासवानी,मनोज सेन मनोज चौबे, प्रकाश चंदानी, संतोष पटेल, आदि सभी का सहयोग रहा। कार्यक्रम में आए निताई ग्रुप के प्रमुख अमोल पटेल जी ने कहा आज जो यह पर्व बड़ी ही विशालता का रूप लेता जा रहा है पूज्य बापूजी ने जो यह महान कार्य शुरू किया भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए उनका चिर काल के लिए सदा ही जीव उनके ऋणी रहेंगे ओर उनकी ऐसी दिव्य सेवाओं उनकी प्रेरणाओं को देखते हुए पता चलता है उनके सभी शिष्य महानता, दिव्यता, भव्यता से निस्वार्थ सेवा कार्य कर रहे है मैंने भी छोटी सी उम्र में पूज्य बापूजी के साहित्य युवाधन सुरक्षा से जीवन में संयम के मार्ग पर चलना सीखा है बहुत ही बढ़िया सबको भावुक कर देने का कार्यक्रम सभी निताई स्कूलों और भी बहुत सारे स्कूलों में जो आयोजित करते है बड़ा ही अच्छा लगता है ऐसे संस्कृति रक्षा के कार्यों को देखकर सभी विश्ववासी 14 फरवरी को सच्चे प्रेम का यह पर्व मातृ पितृ पूजन दिवस अवश्य मनाए ऐसा आव्हान किया गया।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर वारह ज्योर्तिलिंगम की स्थापना की गई

दमोह। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविधालय जटाशंकर धाम दमोह के द्वारा सेवा केन्द्र के गोल्डन जब्ली समारोह पर सेवा केन्द्र में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर वारह ज्योर्तिलिंगम की स्थापना शनिवार को की गई है, अब स्नेही भक्तजन वारह तीर्थों का आनंद एक ही स्थान पर ले सकेंगे, ये द्वादश स्थापना भगवान शिव परमात्मा के अवतरण के कर्तव्य वाचक व गुण वाचक नाम है, आज सुबह 9 बजे शिव ध्वजा रोहण के वाद द्वादश मंदिरो का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ शिव आरती की गई एवं महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक यथार्थ रहस्य पर प्रकाश डाला गया, अतिथियों का सम्मान एवं उद्बोधन भी रहा, कार्यक्रम का विशेष आकर्षण द्वादश भोलेनाथ की मूर्तियों को वारह कारो पर विराजित कर शहर में शोभा कलश यात्रा निकाली गई शहर के हजारो लोगों ने दर्शन लाभ लिया एवं पूजन किया, वीडियों बनायें शिव के जय-जय कारो से शहर गूंज गया दोपहर यात्रा वापिस जटाशंकर धाम में समाप्त हुई, और जिसमें पुलिस की उत्तम

महिला हॉकी लीग का आयोजन

दमोह। हॉकी दमोह के विकास जैन ने बताया कि हॉकी मध्य प्रदेश से पंजीकृत साई हॉकी कोच सरोज की कुशल रणनीति से साई टीम ने कास्य पदक जीता काकीनाडा आन्ध्रप्रदेश मे पहली महिला हॉकी लीग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे साई की टीम ने लीग मैच मे नवल टाटा अकादमी को दो शून्य से दूसरे मैच भारत पेट्रोलियम को दो शून्य से पराजित किया। हरियाणा से लीग मैच दो एक पराजय का सामना किया सेमीफाइनल मे सोनीपत की टीम से दो एक से हार हुई। प्रतियोगिता के हार्ड लाईन मैच मे साई टीम ने कोच सरोज की कुशल रणनीति से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को पांच एक से पराजित कर कास्य पदक तथा एक लाख रुपए की नगद राशि प्राप्त की। टीम ने रीजनल डायरेक्टर अभिषेक सिंह चौहान एच पी डी पीयूष दुबे के दिशा निर्देशन मे सिकल अनुशासन फिटनेस समर्पण कोचिंग के आधार पर कास्य पदक प्राप्त किया। विदित हो सरोज ने चार वर्ष मे यह चौथी सफलता अर्जित की है। उपलब्धि पर हॉकी महासचिव लोकबहादुर, ललित नायक, सह सचिव जगेनदर तोमर, राजेश सालोमन, आभा भगवान सिंह, कफील, अल्ताफ, तरूण नामदेव ने बधाई दी।

राज्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

जब भी किसी क्षेत्र में विकास होता है तो उसका सीधा लाभ आमजन को मिलता है। पूर्व की स्थिति को समझे बिना वर्तमान की प्रगति का अंतर समझ में नहीं आता। हर जिले में लहलहाती फसलें, बढ़ते सिंचाई संसाधन और पक्के मकान प्रदेश के विकास की गवाही दे रहे है। पिछले 20-22 वर्षों में मध्यप्रदेश ने तीव्र गति से प्रगति की है और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने ग्राम खोजाखेड़ी में 65 लाख की लागत से नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केंद्र लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा विधायक, मंत्री बनना तभी सार्थक है जब क्षेत्र की जनता को सुख मिले और विकास दिखाई दे। उन्होने कहा यदि मैं अपने क्षेत्र के प्रत्येक गांव और हर खेत तक पानी नहीं पहुंचा पाया, तो मेरा मंत्री या विधायक बनना सार्थक नहीं है। उन्होने कहा क्षेत्र में लक्ष्य वर्ष 2028 तक 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके आगे का उद्देश्य "हर खेत तक पानी" पहुंचाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर यह लक्ष्य हासिल करेगी, ताकि किसान समृद्ध हों और प्रदेश आत्मनिर्भर बने। राज्यमंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री की किसान हितैषी घोषणाओं से अत्यंत प्रसन्न एवं अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि दमोह जिले के विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई घोषणाएं ऐतिहासिक हैं और इनसे क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होने बताया मुख्यमंत्री द्वारा घोषित दुनय धाम योजना लगभग 400 से 500 करोड़ रुपये की लागत की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के माध्यम से क्षेत्र के 25 से 30 गांवों में प्रेशराइज्ड पाइपलाइन के जरिए सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को पर्याप्त जल उपलब्ध होगा और खेती की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मेंद्र कटारे, जनपद अध्यक्ष पथरिया खिलान अहिरवार, नगर परिषद् अध्यक्ष सुन्दर लाल विश्वकर्मा, महेश पटेल, श्याम गर्ग, पँडित नरेंद्र व्यास, पूर्व मंडी अध्यक्ष खरगराम पटेल, खौजाखेडी सरपंच श्याम पटेल, केदार चौधरी, मान चौधरी, गणेश पटेल एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी डॉ. पुष्पेन्द्र त्रिपाठी, फार्मासिस्ट ओमकार पटेल, सी.एच.ओ. शीबा लाल मसीह, ए.एन.एम. संगीता सेन, आशा सुपरवाईजर दीपा चौबे एवं आशा कार्यकर्ता खौजाखेडी स्थानीय जन-प्रतिनिधि और बडी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्री पटेल द्वारा उप-स्वास्थ्य केन्द्र भवन निमार्ण हेतु जमीन दानदाता काशी राम पटेल वकील साब का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं अभार डॉ. जतिन दुवे बी.एम.ओ. पथरिया द्वारा किया गया।

दद्दा कला मंच पर हुई जोरदार भजन संध्या

हटा। गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में आयोजित दस दिवसीय श्री श्री 1008 श्री अतिरुद्र महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा के दौरान शनिवार को महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर दद्दा कला मंच पर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध भजन गायको द्वारा जोरदार भजनों की प्रस्तुति दी जिससे कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कलाकारों द्वारा श्रीगणेश वंदना के साथ की गई इसके उपरांत डब्बू ठाकुर द्वारा मोरे घर भोला आ गए, वर्षा यादव द्वारा काली काली अमावस की रात में एवं भूपेंद्र सेनी और यूट्यूबर पेपर क्यूंन ने अपने अपने अंदाज में एक से बढ़कर एक शानदार भजनों की प्रस्तुति दी गई जिसे सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। भजन संध्या कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला पुरुष बच्चों की उपस्थिति रही।

खबर का असरः राशन दुकानों में वितरण शुरू

हिण्डोरिया। नगर सहित जिले भर मे शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर मिलने वाली राशन सामग्री का शनिवार से विधिवत वितरण शुरु हो गया है। इस बारे मे जनसंगठन एकता परिषद के जिला अध्यक्ष सुजात खान ने बताया कि नगर सहित पूरे जिले में सर्वर डाउन होने की समस्या के चलते लगभग डेढ़ सप्ताह से राशन सामग्री का वितरण रुका हुआ था। इस कारण शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर निर्भर जिले के गरीब उपभोक्ता बेहद परेशान थे। उन्हें अपने परिवार की उदर पूर्ति के लिए ना चाहकर भी मजबूरन बाजार से औने- पौने दामों में खाद्य सामग्री खरीदना पड़ रही थी। जबकि राशन दुकानों में पर्याप्त मात्रा में समय पर राशन सामग्री वितरण के लिए उपलब्ध थी। लेकिन सर्वर डाउन की समस्या के चलते राशन दुकानों के संचालक यह सामग्री वितरित नहीं कर पा रहे थे। शनिवार से सर्वर डाउन की समस्या दूर होते ही राशन दुकानों में गेंहू- चावल आदि सामग्री का वितरण शुरू कर दिया गया है। इससे गरीब उपभोक्ता में हर्ष व्याप्त है। श्री खान ने दमोह जिले के सभी मीडिया मित्रों को इस समस्या को अखबारों में प्रकाशित करने एवं समस्या निदान कराने पर आभार व्यक्त किया है।

रुक्मिणी विवाह प्रसंग में भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

महाशिवरात्रि तक चल रहे अतिरुद्र महायज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ी

आस्था। विगत 05 फरवरी से 15 फरवरी महाशिवरात्रि पर्व तक उपकाशी नगर हटा के दूल्हा भेषधारी देवश्री गौरीशंकर मंदिर परिसर में आयोजित अतिरुद्र महायज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन भक्तिरस की अविरल धारा बहती रही। प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का मंदिर में तांता लगा रहा और पूरा परिसर "हर-हर महादेव" एवं "राधे-राधे" के जयघोष से गूंजता रहा। शाम 4 बजे से दद्दा कला मंच से कथा व्यास पं. डॉ. अनिल शास्त्री जी ने छठवें दिन श्रीमद्भागवत के अत्यंत मार्मिक प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, समर्पण और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। वही कथा के अत्यंत पावन रुक्मिणी विवाह प्रसंग का विस्तारपूर्वक एवं भावपूर्ण वर्णन किया। व्यासपीठ से पं. डॉ. अनिल शास्त्री जी ने बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को ही अपना पति मान लिया था। उन्होंने भगवान को पत्र लिखकर अपने हृदय की व्यथा प्रकट की और उनसे विवाह करने का आग्रह किया। कथा में वर्णन किया गया कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मी और अन्य राजाओं के विरोध के बावजूद रुक्मिणी का हरण कर धर्म पूर्वक विवाह संपन्न किया।उन्होंने कहा कि रुक्मिणी का अटूट विश्वास, समर्पण और निष्काम प्रेम ही उन्हें भगवान की अर्धांगिनी बनने का अधिकारी बनाता है। यह प्रसंग सिखाता है कि सच्ची भक्ति में दृढ़ निश्चय और पूर्ण विश्वास आवश्यक है। कथा के दौरान विवाह प्रसंग का सजीव चित्रण किया गया, रूक्मणी विवाह के अवसर पर स्थानीय इंद्रप्रस्थ स्कूल की छात्राओं ने रुक्मिणी विवाह की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। पारंपरिक वेशभूषा में सजी छात्राओं ने नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विवाह प्रसंग को जीवंत कर दिया। उनकी भाव-भंगिमाओं, ताल-लय और मंच सज्जा ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में सजे बाल कलाकार और रुक्मिणी स्वरूप छात्रा मंच पर पहुंचे, तो श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का जयघोष किया। विवाह गीतों और मंगल ध्वनियों के बीच प्रस्तुत की गई यह झांकी कथा का मुख्य आकर्षण बन गई। दद्दा कला मंच पर दी गई यह प्रस्तुतियां ऐतिहासिक आकर्षण का केंद्र बन गई। जिससे पूरा पंडाल विवाहोत्सव के उल्लास से भर उठा। इस दौरान हटा विधायक उमादेवी लालचंद खटीक, आयोजन के सूत्र धार कु. पुष्पेंद्र सिंह हजारी, रामकुमार असाटी, यज्ञ समिति अध्यक्ष कु अनुराग वर्धन सिंह हजारी, विश्व हिंदू परिषद अजय खत्री, शिवजीत परमार पन्ना, अमर जीत सिंह परमार पन्ना, अधिवक्ता कमलेश भारद्वाज, पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मेंद्र कटारे, सहित आयोजन समिति के समस्त सदस्यों एवं नगर हटा के वरिष्ठ गणमान्य जनों के साथ हजारों की संख्या में श्रद्धालु धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। वही हटा पुलिस टी आई सुधीर कुमार बेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम भी मेले एवं आयोजन की व्यवस्था बनाए रखने आयोजन समिति के साथ तैनात रही।

महाशिवरात्रि पर निकलेगी भगवान शिव की शाही बारात

तेंदूखेड़ा। नगर के थाना परिसर में स्थित लगभग 75 वर्ष प्राचीन पिपलेश्वर महादेव मंदिर आज भी श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहां से भगवान शिव की भव्य शाही बारात नगर भ्रमण करते हुए खेर माता मंदिर तक निकाली जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालु भक्तजन शामिल होंगे। महाशिवरात्रि एवं प्रत्येक सोमवार को मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां विधि-विधान से पूजा करने पर भगवान शिव सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। नगर का यह प्रथम एवं सबसे प्राचीन शिव मंदिर माना जाता है। जानकारी के अनुसार, जब तेंदूखेड़ा एक छोटा सा ग्राम था, तब थाना परिसर में इस मंदिर की स्थापना की गई थी। उस समय नगर में अन्य कोई शिव मंदिर नहीं था। मंदिर का निर्माण दमोह जिले के चदोरा निवासी स्वर्गीय पंडित श्री कन्हैयालाल तिवारी 'दाढ़ी वाले मुंशीजी' द्वारा कराया गया था, जो उस समय थाने में पदस्थ थे। वे भेड़ाघाट से शिवलिंग लाकर पीपल के विशाल वृक्ष के नीचे भगवान शिव की स्थापना कराए थे। तभी से यह स्थल 'पिपलेश्वर महादेव' के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

सबसे बड़ा धर्म माता-पिता की सेवा : पं. ऋषिकांत गर्ग

बनवार। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर खेर माता मंदिर प्रांगण, घटेरा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन वातावरण भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। कथा व्यास बालव्यास पं. ऋषिकांत गर्ग ने भगवान श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह का प्रसंग अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया और युवाओं व बच्चों को माता-पिता की सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि "सारे तीर्थों का फल माता-पिता के आशीर्वाद में समाहित है। उन्होंने परिवार में प्रेम, सम्मान और सेवा की भावना को समाज की सुदृढ़ नींव बताया तथा बहुओं से सास-ससुर की सेवा का आग्रह किया। कथा में बताया गया कि विदर्भ देश की राजकुमारी रुक्मिणी, जो साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा मानी गई हैं, ने देवर्षि नारद से भगवान श्रीकृष्ण के गुण, रूप और पराक्रम का वर्णन सुनकर मन ही मन उन्हें पति रूप में वरण करने का संकल्प लिया। जब उनके भ्राता रुक्मी ने शिशुपाल से विवाह का निर्णय लिया, तब रुक्मिणी ने एक ब्राह्मण संदेशवाहक के माध्यम से श्रीकृष्ण को संदेश भेजा। इसके पश्चात श्रीकृष्ण कुंडीनपुर पहुंचे और उपस्थित राजाओं को परास्त कर रुक्मिणी का हरण कर द्वारिका ले गए, जहां विधिवत विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण–रुक्मिणी का वेश धारण किए बाल कलाकारों की मनमोहक झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और मंगलगीतों के साथ नृत्य कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजनों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मंदिर परिसर में सजी आकर्षक झांकियों और भक्तों की उमड़ी भीड़ ने आयोजन को दिव्य और भव्य रूप प्रदान किया। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर कथा स्थल आस्था और संस्कृति के संगम का सजीव दृश्य प्रस्तुत करता नजर आया।

बुन्देलखण्ड फ़िल्मि फेडरेशन टीम को संस्कृति मंत्री ने किया सम्मानित

दमोह। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्थानीय फिल्मकारों एवं कलाकारों को मंच प्रदान करने और बुन्देलखण्ड क्षेत्र में फिल्मों के निर्माण एवं पर्यटन को बाढ़वा दीनें के उद्देश्य को लेकर कार्य करने वाली संस्था बुन्देलखण्ड फ़िल्मि फेडरेशन बुन्देलखण्ड कला संस्कृति मंच द्वारा बीते दिनों दमोह जिले में हुए बुन्देलखण्ड फ़िल्मि फेस्टिवल का सफल आयोजन हुआ था जिसके चलते सफल फ़िल्मि फेस्टिवल की आयोजन समिति बुन्देलखण्ड फ़िल्मि फेडरेशन की टीम का नोहटा महोत्सव में मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मंच से फेडरेशन की कोर कमेटी को सम्मानित किया। इस अवसर पर बुन्देलखण्ड फ़िल्मि फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ अखलेश निगम एवं दमोह जिला प्रभारी इम्तियाज चिश्ती सहित पूरे बुन्देलखण्ड क्षेत्र के प्रभारियों को आमंत्रित किया। मंत्री धर्मेंद्र सिंह ने लोधी ने मंच से सम्मानित किया। इस अवसर पर फेस्टिवल के संरक्षक सत्येन्द्र सिंह लोधी एवं कोर कमेटी से दीपक नायक नौगांव, शौरभ शर्मा टीकमगढ़, नितेश सिंघल ,नौगांव, रज्जू राजा सागर , पुष्पेंद्र छतरपुर सहित दमोह जिला प्रभारी इम्तियाज चिश्ती को सम्मानित किया गया ।

देवश्री जागेश्वरनाथ महादेव को लगी हल्दी: महाशिवरात्रि की देर रात होगा भव्य शिव-पार्वती विवाह

दुल्हन सा सजा बांदकपुरः महाशिवरात्रि पर जागेश्वरनाथ धाम में आज चार दिशाओं से पहुंचेगी शिवजी की बारात, दुल्हा बनेंगे महादेव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह/बनवार

बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थ जागेश्वरनाथ धाम में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य शिव-विवाह महोत्सव की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। पूरा मंदिर परिसर दुल्हन की तरह सुसज्जित है। रंग-बिरंगी रोशनी से नहाया धाम मानो देव नगरी की झलक प्रस्तुत कर रहा हो।

भगवान शिव-पार्वती के विवाह के लिए आम और केले के पत्तों से विशाल हरा मंडप तैयार किया गया है, जहां पूरी रात विवाह की पावन रस्में संपन्न होंगी। मंदिर प्रबंधक रामकृपाल पाठक ने बताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं और लाखों भक्तों के आगमन की संभावना है।

चार दिशाओं से आएगी शिव बारात

इस वर्ष शिव-विवाह उत्सव की विशेषता यह है कि शिवजी की बारात चार अलग-अलग स्थानों से धाम पहुंचेगी। पूर्व में दमोह के तीन गुल्ली, आनू पटेरा, बम्होरी माला सहित आसपास के गांवों से हजारों श्रद्धालु भगवान शिव और उनके गणों का वेश धारण कर ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुनों पर नाचते-गाते बारात लेकर रात्रि में धाम पहुंचेंगे। पूरी रात शिव-विवाह का आयोजन भक्ति और उल्लास के बीच चलता रहेगा।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं का व्यापक इंतजाम

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में सुव्यवस्थित रेलिंग लगाई गई है। कांवड़ियों के लिए अलग रेलिंग और कांवड़ पूजन की विशेष व्यवस्था की गई है। दर्शनार्थियों के लिए तीन एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं, जबकि निगरानी हेतु करीब 64 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से बांदकपुर में अस्थायी पुलिस कंट्रोल रूम बनाया गया है। डेढ़ सौ से अधिक पुलिस बल और 50 से अधिक निजी सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं।

पार्किंग और मूलभूत सुविधाएं

भारी भीड़ को देखते हुए तीन प्रमुख पार्किंग प्वाइंट—स्टेशन नाला, गुंजी आनू रोड स्थित जागेश्वर हाई स्कूल और बनवार-बांदकपुर रोड के वेयरहाउस परिसर—निर्धारित किए गए हैं। बस स्टैंड पर भी अतिरिक्त पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए दर्जनों अस्थायी शौचालय और स्नानागार स्थापित किए गए हैं। पेयजल की समुचित व्यवस्था भी की गई है।

कांवड़ियों के लिए भंडारा

हजारों कांवड़िए पहले ही धाम पहुंच चुके हैं। सलैया ग्राम में मंदिर ट्रस्ट द्वारा अखंड भंडारा संचालित किया जा रहा है, जहां श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गई है। देर रात तक कांवड़ियों के जत्थे पहुंचने का सिलसिला जारी रहेगा।दिव्यता, भव्यता और आस्था से सराबोर यह शिव-विवाह महोत्सव न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक श्रद्धा का विराट उत्सव बन चुका है। महाशिवरात्रि की रात बांदकपुर एक बार फिर शिवमय होने जा रहा है।

देवश्री जागेश्वर नाथ महादेव को लगी हल्दीः महाशिवरात्रि की देर रात होगा भव्य शिव-पार्वती विवाह

बनवार। बुंदेलखंड के सुप्रसिद्ध तीर्थ देवश्री जागेश्वर नाथ धाम में महाशिवरात्रि को लेकर अलौकिक श्रद्धा और उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया है। मंदिर परिसर पूर्णतः शिवमय हो उठा है और भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती के दिव्य विवाह की रस्में विधिवत प्रारंभ हो चुकी हैं। शनिवार प्रातःकाल श्रृंगार आरती और दर्शन के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडितों एवं पुजारियों ने देवश्री जागेश्वर नाथ महादेव को शगुन स्वरूप हल्दी अर्पित की। शिवलिंग पर हल्दी चढ़ाकर विवाह संस्कार की यह मंगल रस्म संपन्न की गई। जैसे ही यह पावन अनुष्ठान पूरा हुआ, पूरा मंदिर परिसर "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा।

दुल्हन सा सजा मंदिर, सजा हरा विवाह मंडप

महाशिवरात्रि के इस विशेष अवसर पर मंदिर प्रांगण को दुल्हन की तरह सजाया गया है। रंग-बिरंगे फूलों, आकर्षक विद्युत सज्जा और पारंपरिक अलंकरण से पूरा धाम आलोकित हो उठा है। विशेष रूप से एक भव्य हरा विवाह मंडप तैयार किया गया है, जहां देर रात भगवान शिव और माता पार्वती का प्रतीकात्मक विवाह संपन्न होगा। मान्यता है कि महाशिवरात्रि की देर रात संपन्न होने वाला यह दिव्य विवाह देखने हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। भजन, मंगल गीत और शहनाई की मधुर ध्वनि से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ इस पावन आयोजन के साक्षी बनने को आतुर हैं। भक्तों का विश्वास है कि इस शुभ अवसर पर भगवान के दर्शन और पूजन से दांपत्य सुख, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। दिव्यता और भव्यता से सराबोर यह शिव-पार्वती विवाह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि बुंदेलखंड की सांस्कृतिक परंपरा का भी जीवंत उत्सव बन गया है।

दिव्य आस्था का महापर्वः देर शाम जागेश्वर नाथ धाम पहुंचें हजारों कांवरिए, मां नर्मदा जल से होगा जलाभिषेक

बनवार। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बनवार अंचल से आस्था की अविरल धारा देवश्री जागेश्वर नाथ धाम की ओर प्रवाहित हो रही है। मां नर्मदा का पवित्र जल कांवड़ में भरकर हजारों श्रद्धालु "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयकारों के साथ शिवधाम की ओर अग्रसर हैं। श्रद्धालुओं का यह विशाल कारवां आज देर शाम धाम पहुंचेगा। महाशिवरात्रि की अलसुबह मंदिर के पट खुलते ही मां नर्मदा जल से भगवान जागेश्वर नाथ का विधिवत जलाभिषेक किया जाएगा। मान्यता है कि इस शुभ बेला में किया गया अभिषेक विशेष फलदायी होता है और भोलेनाथ अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। बनवार से बांदकपुर तक का मार्ग इन दिनों केसरिया वस्त्रों और सजी-धजी कांवड़ों से सुसज्जित दिखाई दे रहा है। सड़कें कांवड़ियों से अटी पड़ी हैं और हर ओर भक्ति गीतों की गूंज वातावरण को शिवमय बना रही है। जगह-जगह सामाजिक संगठनों व ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया जा रहा है। मार्ग में भोजन-प्रसादी, शीतल पेय और विश्राम की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सेवा समितियों का उत्साह और समर्पण इस आध्यात्मिक आयोजन को और भी भव्य बना रहा है। कांवड़ियों के चेहरे पर अटूट श्रद्धा और उत्साह स्पष्ट झलक रहा है। युवा, बुजुर्ग और महिलाएं कदम से कदम मिलाकर शिवधाम की ओर बढ़ रहे हैं। पूरा बनवार और बांदकपुर अंचल शिवभक्ति में डूबा नजर आ रहा है। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर यह दृश्य केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था, सेवा और संस्कृति का विराट उत्सव बन गया है—जहां हर भक्त का एक ही संकल्प है, भोलेनाथ का जलाभिषेक और दिव्य कृपा की प्राप्ति। दिव्यता और भव्यता से सराबोर यह कांवड़ यात्रा क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रमाण बनकर उभर रही है।

पंचवटी सिद्ध धाम में भोलेनाथ को चढ़ाई हल्दी

तेंदूखेड़ा। नगर के पंचवटी सिद्धधाम में शनिवार को भगवान भोलेनाथ की हल्दी की रस्म गाजे बाजे के साथ बडे धूमधाम से पूरी की गई। साथ ही भोलेनाथ एवं माता पार्वति को मेंहदी की रस्म की गई एवं शादी के गीत गाएं गए। इस दौरान दर्जनो महिलाए मौजूद रही। आज महाशिव रात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वति का विवाह शाम 6 बजे सम्पन्न होगा। महाशिवरात्रि पर सुबह 9 बजे शिवलिंग निर्माण एवं रूद्राभिषेक होगा एवं भगवान का मनमोहक श्रृंगार किया जाएंगा। शाम 7 बजे भगवान भोलेनाथ की महाआरती एवं महाप्रसाद का वितरण किया जाएंगा। रात्रि 8 बजे भजन संध्या का आयोजन किया जाएंगा जिसमें बाहर से आएं कलाकारों के द्वारा भजनों की प्रस्तुति होंगी।

रनेह में रात 12 बजे चक्काजाम खत्म किया, अधिकारियों की समझाइश के बाद माने परिजन

मारपीट के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रनेह

शराब दुकान कर्मचारियों द्वारा कथित मारपीट से आहत होकर व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में शुक्रवार देर रात तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। मृतक राजकुमार राय के परिजनों और ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। परिजनों का आरोप था कि शराब दुकान कर्मचारियों की मारपीट और अभद्रता से आहत होकर राजकुमार राय ने आत्मघाती कदम उठाया। इसी को लेकर दोषियों पर तत्काल कार्रवाई और न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन किया गया। देर रात प्रदर्शन स्थल पटेरा चौराहा पर पहुंचे राजेश सोनी नायब तहसीलदार एसडीओपी प्रशान्त सिंह सुमन, थाना प्रभारी चंदन सिंह निरंजन ने परिजनों को समझाइश देते हुए ग्रामीणों से बातचीत करते हुए निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। काफी देर चली समझाइश और आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और अंतिम संस्कार के लिए राजी हो गए। सड़क पर रखे शव को घर ले गए। सड़क से जाम हट गया और यातायात सामान्य हो गया। धरना प्रदर्शन समाप्त होते ही पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन में थाना प्रभारी चंदन सिंह निरंजन ने रात्रि में ही आरोपियों के मिलने के संभावित स्थानों पर दबिश दी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मृतक के साथ मारपीट करने वाले दो आरोपी जगदीश राय पिता राजाराय उम्र 35 वर्ष निवासी टसगोरा थाना मोहनगढ़ जिला टीकमगढ़, बृजेन्द्र पिता मुन्नालाल राय उम्र 32 वर्ष निवासी तालमऊ पुलिस थाना बल्देवगढ़ जिला टीकमगढ़ को धारा 108, 115(2), 296(बी), 3(5) BNS के तहत पर प्रकरण पंजीबद्ध किया।

जबेरा को नगर परिषद बनाने का मामला

पूर्व में की गई घोषणा को अमली जामा पहनाने हेतु सौंपा ज्ञापन

जबेरा। नोहलश्वर महोत्सव में पधारे प्रदेश की मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की नोएडा आगमन पर स्थानीय नागरिकों एवं जबेरा विकास मंच के अध्यक्ष राजेश जैन के द्वारा जबेरा में नगर परिषद गठन करने की अधिसूचना शीघ्र ही जारी करने के संबंध में एक ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पूर्व में आपकी द्वारा जबरा मंडी परिसर में आयोजित सभा में घोषणा की गई थी , लेकिन अब तक इसकी अधिसूचना जारी नहीं हो सकी है। इस देरी से क्षेत्र वासियों में असंतोष व्याप्त है ग्रामीणों ने बताया कि जबरा को नगर परिषद बनाने की मांग लगभग पिछली 20 वर्षों से उठाई जा रही है उसे संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को भी कई बार ज्ञापन सौंप गए हैं हाल ही में पुनः मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन देकर की मांग भराई गई थी जिस पर उन्होंने सार्वजनिक मंच की घोषणा की थी। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन लगे ग्राम पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्ताव शासन को भेज चुका है इसके बावजूद अधिसूचना जारी न होने से ग्रामीणों में चिंता और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ज्ञापन को ध्यानपूर्वक सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने की दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश जैन नीरज जायसवाल, जबरा विकास मंच अध्यक्ष राजीव जैन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अब क्षेत्र वासियों की निगाहें शासन की अगली कार्यवाही क्या होती है इस पर टिकी हुई हैं।

बोर्ड परीक्षाः नकल रोकने हटा के सभी केंद्रों पर रखी गई 'ईमानदारी की पेटी'

हटा। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं का आगाज हो चुका है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा परीक्षाओं में नकल (चीटिंग) पर अंकुश के लिए कई तरह की सख्ती बरतते हुए जिला एवं ब्लॉक स्तरों पर जहां उड़नदस्ते बनाए गए हैं, वहीं गांधीगिरी से भी नकल प्रकरणों में कमी लाने के प्रयास किए गए है। बोर्ड परीक्षाओं के लिए इस वर्ष हटा ब्लाक में में 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी परीक्षा केंद्रों पर एक बॉक्स रखा गया है जिसे 'ईमानदारी की पेटी' नाम दिया गया है। अगर कोई परीक्षार्थी घर से नकल पर्ची लाया और केंद्र पर पहुंचकर उसका मन बदला तो परीक्षा के पूर्व वो उन नकल पर्चियों को इस 'ईमानदारी की पेटी' में डाल सकता है। ऐसा करने पर उसका कोई नकल प्रकरण नहीं बनाया जाएगा पर शर्त यह रखी गई कि वो नकल पर्चियों को परीक्षा के पूर्व ही ईमानदारी की पेटी में डाल दें। उल्लेखीय है इन परीक्षाओं की गोपनीयता और नकल प्रकरणों के संबंद्ध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर भी बेहद गंभीर हैं। परीक्षा के पूर्व तैयारियों के संबंध में सभी केंद्राध्यक्षों एवं सहायक केंद्राध्यक्षों की बैठक में कलेक्टर द्वारा कई तल्ख निर्देश प्रदान किए गए थे।

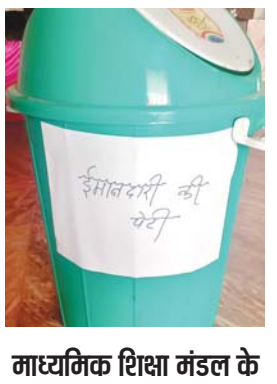

माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशों पर नकल प्रकरणों में कमी लाने की कवायद

जिम्मेदारों की उदासीनता से खत्म हुई तीन जिंदगियांः शादी समारोह में जा रहे युवक टूटे पुल से नीचे गिरे, 7 महीने से क्षतिग्रस्त था पुल

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेड़ा

जिले के तेंदूखेड़ा थानांतर्गत शुक्रवार रात एक बड़ा हादसा सामने आया, जिसमें दोस्त की शादी में जा रहे बाइक सवार तीन युवक एक टूटे पुल से 30 फीट नीचे बाइक सहित नीचे जा गिरे। ऊंचाई से गिरने और नीचे बड़े बड़े पत्थर और पुल का मलबा डला होने के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के पीछे जिम्मेदारों की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है जिन्होंने महीनों से क्षतिग्रस्त पुल होने के बाद भी वहां कोई सुरक्षा इंतजाम या संकेतकों को नहीं लगाया जिसके चलते यह हादसा सामने आया। शनिवार सुबह पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शवों का पोस्टमार्टम कराया एवं मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतकों के गांव में मातम पसरा है और मामले की जानकारी मिलने पर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और गढ़ाकोटा विधायक गोपाल भार्गव ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी साझा करते हुए घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवार को शोक संवेदनाएं व्यक्त की है

दोस्त की शादी में जाने निकले थे तीनों

जानकारी अनुसार सागर जिले के रहली थाना के छिरारी ग्राम निवासी अजय पिता दारा सिंह घोषी 21 वर्ष, अमित पिता दुर्गा कुर्मी 21 वर्ष, पवन पिता प्रकाश कुर्मी 22 वर्ष अपने दोस्त अजय पाल की शादी समारोह में शामिल होने के लिए समनापुर गांव जा रहे थे। इस दौरान वह हादसे के शिकार हो गए। घटना की सूचना पीछे चल रहे साथियों ने पुलिस एवं परिजनों को दी। सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी अपने बल के साथ मौके पर पहुंचे और करीब आधा घंटे तक रेस्क्यू कर तीनों को पुल से बाहर निकलकर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रास्ता नहीं आया समझ

घटना को लेकर मृतकों के पीछे चल रहे दो अन्य साथी भागीरथ कर्मी व सुमित के अनुसार मृतक रास्ते को समझ नहीं पाए। उनका दावा है कि जैसे ही वह झापन पहुंचे तो व्यारमा नदी के टूटे व जर्जर पड़े पुल छोड़ कर कुछ ही दूरी पर स्थित स्टाप डेम के ऊपर से निकलकर मुख्य मार्ग पर पहुंचें। इस दौरान मृतक अपनी बाइक को तेज रफ्तार में लेकर मुख्य मार्ग पर पहुंचे लेकिन मार्ग को ना समझ पाने के चलते झलौन की तरफ ना जाकर वह रहली मार्ग की और चल दिए जिसके कारण वह अंधेरे में कुछ समझ नहीं पाए और तेज रफ्तार बाइक बारिश में बहे टूटे व जर्जर पड़े पुल के 30 फीट नीचे जा गिरे। इसके अलावा बाइक की रफ्तार तेज होना और सुनसान और अंधेरा रास्ता के साथ जिसके एक मोड़ भी था जिसके चलते रास्ता समझना कठिन था।

जिम्मेदारी की लापरवाही और अनदेखी

स्थानीय लोगों एवं राहगीरों का कहना है कि पुल टूटने के बाद से ही प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम व व्यवस्था नहीं की गई, यदि समय रहते संकेत बोर्ड, बैरिकेडिंग और सुरक्षा के इंतजाम किए जाते तो यह हादसा टल सकता था उल्लेखनीय है कि सागर रहली तेन्दूखेड़ा जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर झलौन गांव के समीप बना व्यारमा नदी का झापन घाट पुल पिछले साल हुई बारिश के तेज बहाव में बह गया था तभी से छतिग्रस्त टूटे पड़े पुल के ऊपर से आगमन बंद है और इसके चलते 7 माह से झापन इमलिया झलौन होकर लंबा चक्कर लगाकर वाहनों की आवाजाही हो रही है । अंजान लोग दिन के उजाले में और लोगों द्वारा सावधान कर दिए जाने के चलते कई बार बचे भी है लेकिन रात का अंधेरा ऐसा हादसा सामने ले आया।

श्रीराम के जीवंत जीवन वृतांत से त्रेतायुग की दिव्य कथा का साक्षी बना नोहटा

दमोह। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन में एवं महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में नोहटा धाम में आयोजित पावन नोहलेश्वर महोत्सव 2026 का आठवां दिवस भक्ति, संस्कृति और शिक्षा सेवा के अद्भुत समन्वय का साक्षी बना। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी की विधिवत पूजा-अर्चना एवं चरण वंदना के साथ हुआ, जिसके पश्चात भव्य सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ हुई।

रामायण का जीवंत मंचन, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

इस अवसर पर देश के सुप्रसिद्ध कलाकार पुनीत इस्सर की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आयाम प्रदान किया। लगभग 150 कलाकारों की विशाल टीम ने मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन का अत्यंत प्रभावशाली और जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया। भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर वनवास, रावण वध और अयोध्या आगमन तक की प्रमुख घटनाओं का मंचन भावपूर्ण शैली में किया गया। भव्य परिधान, सजीव संवाद और आकर्षक मंच सज्जा ने दर्शकों को त्रेतायुग की दिव्य कथा का साक्षी बना दिया। पुनीत इस्सर के निर्देशन और अभिनय ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि 'समग्र विकास' की एक सशक्त पहल है, जहां भक्ति के साथ-साथ शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। हमारा स्पष्ट लक्ष्य है कि क्षेत्र का प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़कर आत्मनिर्भर और सक्षम नागरिक बने। साथ ही नवोदय कोचिंग, स्मार्ट क्लासेस और निःशुल्क पुस्तकालय जैसी पहलें केवल योजनाएं नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन के मजबूत स्तंभ हैं। हम 'विकसित क्षेत्र – सशक्त युवा' के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। जब शिक्षा और संस्कृति का समन्वय होता है, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। नोहटा धाम को हम एक आदर्श आध्यात्मिक, शैक्षणिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में यह महोत्सव प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाए और यहां से सेवा, संस्कार और समर्पण की प्रेरणा पूरे देश में पहुंचे। महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह ने कहा कि महोत्सव के मंच से सामाजिक सरोकारों को भी प्रमुखता दी गई। कृष्णभाव फाउंडेशन के तत्वावधान में विधानसभा क्षेत्र में संचालित निःशुल्क नवोदय कोचिंग में निस्वार्थ भाव से सेवाएं दे रहे शिक्षकों एवं सहयोगी पालकों का सम्मान किया गया। यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि शिक्षकों के समर्पण, सेवा और आत्मीयता का उत्सव था। सत्र 2024-25 में जहां 13 स्थानों पर कक्षाएं संचालित हो रही थीं, वहीं सत्र 2025-26 में इसे बढ़ाकर 36 स्थानों तक पहुंचा दिया गया है।